११) कर्क्यूमिन

उत्पत्ति - भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार इन देशों में व्यापक रूप से खेती की जाती है।

लाभ - कर्क्यूमिन किडनी की समस्याओं के लिए आवश्यक है। यह एक एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबायोटिक के रूप में कार्य करता है। यह रक्त परिसंचरण प्रणाली, पोषण प्रणाली को अच्छा रखता है। यह हाइपरलिपिडिमिया, गठिया और सूजन को नियंत्रित करता है। यह कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में भी मदद करता है।

१२) दुग्ध रोम

उत्पत्ति - यूरोप और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न देशों में उपलब्ध है।

लाभ - दूध थीस्ल यकृत, पाचन तंत्र और पित्ताशय के लिए आवश्यक है। यह पाचन में सहायता करता है, मधुमेह को नियंत्रित करता है, हेपेटाइटिस को रोकने में मदद करता है। यह त्वचा और हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखता है क्योंकि इसमें अतिरिक्त कैल्शियम होता है। यह विषहरण में मदद करता है।

१३) जिम्नेमा

उत्पत्ति - भारत और अफ्रीका के विभिन्न भागों में पाया जाता है।

लाभ - यह इंसुलिन उत्पादन और रक्त में मदद करता है।

शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को नियंत्रित करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) को बढ़ाता है। यह शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करके वजन घटाने में मदद करता है।

१४) नोनी

उत्पत्ति - प्रशांत द्वीप समूह, दक्षिण पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और भारत में पाया जाता है।

लाभ - इसमें पोटेशियम मैग्नीशियम सोडियम कॉपर जिंक आयरन कैल्शियम फॉस्फोरस सेलेनियम जैसे विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। यह कैंसर रोधी है और गैस्ट्रिक अल्सर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह धूम्रपान से क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को ठीक करने में मदद करता है। यह जोड़ों के दर्द, अवसाद और अवांछित वसा को कम करने में मदद करता है।

१५) अर्जुन

उत्पत्ति - भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका अर्जुन के मूल निवास स्थान हैं। अर्जुन के पेड़ कमोबेश बांग्लादेश के अधिकांश क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

लाभ - अर्जुन का पेड़ सदाबहार पेड़ है, जो प्रमुख औषधीय पौधों में से एक है। इसके सेवन से उच्च रक्तचाप कम होता है। ट्राइग्लिसराइड का स्तर कम होता है। कोलेस्ट्रॉल कम होता है, बंद धमनियों को खोलने में मदद मिलती है। बालों की मजबूती बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। अतिरिक्त चर्बी की समस्या में बहुत फायदेमंद है। त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने में बहुत कारगर है। मूत्र संबंधी रुकावट को दूर करने में बहुत कारगर है।

१६) पुनर्नवा

उत्पत्ति - पुनर्नवा भारत के दक्षिण और पश्चिम में पाया जाता है। यह एशिया के पूर्व में ऑस्ट्रेलिया में भी पाया जाता है।

लाभ - पुनर्नवा एक बहुत ही लाभकारी जड़ी बूटी है जो मधुमेह को नियंत्रित करने में मदद करती है। क्योंकि इसका अर्क शरीर में मौजूद ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करता है। पुनःपूर्ति प्लाज्मा इंसुलिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करती है। अनिद्रा में पुनर्नवा का उपयोग बहुत फायदेमंद है। शरीर को डिटॉक्स करके और कोशिकाओं को पोषण देकर शरीर को फिर से जीवंत करता है।

DEBCARE®
MARKETING LLP
4, K. N. Chatterjee Street
2nd Floor, Bally, Howrah - 711 201
Website: debcare.co.in

DEBCARE MARKETING
9051627049

Name : .....

Mobile : .....

DEBCARE®

आपकी देखभाल

ध्यानपूर्वक पढ़ें

आज के समय में हर व्यक्ति रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमजोरी और दैनिक जीवन की भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण शरीर में भारी मात्रा में विषाक्त पदार्थों के बोझ के कारण विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त है। चलिए स्पष्ट कर दें। जन्म से ही हम अपने शरीर में तीन चीजें लेते हैं, १) जल २) वायु ३) भोजन। आज का फिल्टर किया हुआ पानी इतना जीवाणुरहित है कि उसमें कोई खनिज नहीं है। जो शरीर के किसी काम का नहीं है। बिलकुल मृत जल, सिर्फ टेस्टा निवारन। फिर वाहनों, कारखानों से होने वाला प्रदूषण है हवा-शहरों में, गांवों में जहां खेती होती है, वहां इतने रासायनिक खाद और कीटनाशक डाले जाते हैं कि उनके रेशे हवा में फैल जाते हैं। जिसके परिणामस्वरूप हमारा श्वसन तंत्र कमजोर हो जाता है, उसके लिए रक्त प्रदूषित होता है। अगला, भोजन - जरा सोचिए कि आजकल हम जो कुछ भी खाते हैं, उसमें से कितना कुछ, जैविक उपज बढ़ाने के लिए हर चीज पर डाले जाने वाले रासायनिक दवाइयां, कीटनाशक हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं, कोशिकाओं में जहर जमा होता है अब सवाल यह है कि हम इस समस्या से कैसे छुटकारा पाएं इसका एक ही उपाय है' डिपार्गो' यह एक सुपर फूड सप्लीमेंट है जो पेशाब और शौच के माध्यम से हमारे शरीर से जमा विषाक्त पदार्थों को पूरी तरह से बाहर निकाल देता है और निष्क्रिय शरीर को भी बाहर निकाल देता है।

कोशिकाओं को फिर से जीवंत करता है। नतीजतन, हमारी स्वास्थ्य संबंधी कोई भी समस्या धीरे-धीरे हल हो जाती है। योलोटी विश्व प्रसिद्ध हर्बल द्वारा अद्वितीय सूत्र में बनाया गया इसका एक कैप्सूल है। हर्बल गोलियाँ हैं - मैंगोस्टीन (फलों की रानी), मैकारूट, साइबेरियन जिनसेंग, एल्डरबेरी, रास्पबेरी, ब्लैककरंट, खट्टी चेरी, गनोडर्मा ल्यूसिडम, सिगरू, अमलाकी, करक्यूमिन, मिल्क थीस्ल, जिम्नेमा, नोनी, अर्जुन, पुनर्नभा। उनमें से प्रत्येक के बारे में बात करते हुए, यह छोटी सी सीमा बहुत ही महत्वहीन है। इन सोलह हर्बल्स और डिपार्गो के बारे में पूछताछ करने के लिए इस पेपर में उल्लिखित फ़ोन नंबर पर संपर्क करें।

१) मैंगोस्टीन

उत्पत्ति - मैंगोस्टीन मुख्य रूप से दक्षिण पूर्व एशिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, सुमात्रा, मुख्य भूमि और फिलीपींस में पाए जाते हैं।

लाभ - मैंगोस्टीन अत्यधिक पौष्टिक होता है, मांसपेशियों के निर्माण, घाव भरने और तंत्रिका कार्य को बढ़ावा देता है। एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और फाइबर से भरपूर होने के कारण यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है, पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है, मस्तिष्क को तरोताजा रखता है और त्वचा की समस्याओं को दूर करता है। मैंगोस्टीन में मौजूद ज़ैंथोन (फ़ाइटोन्यूट्रिएंट्स) बहुत फ़ायदेमंद होते हैं और इनमें कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने और नष्ट करने की क्षमता होती है। मैंगोस्टीन खराब कोलेस्ट्रॉल (ख्क्ख्) और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (त्ख्क्ख्) को बढ़ाने में मदद करता है।

२) मैका रूट

उत्पत्ति - मैकारूट मुख्य रूप से मध्य पेरू के ऊंचे इलाकों में पाया जाता है। यह बोलीविया और ब्रजील के कुछ हिस्सों में भी पाया जाता है।

लाभ - प्रजनन क्षमता बढ़ाता है, पुरुषों में शुक्राणु उत्पादन में मदद करता है। महिलाओं में रजोनिवृत्ति के लक्षणों से राहत देता है। मस्तिष्क की स्थिरता बढ़ाता है। मानसिक बेचैनी और तनाव से राहत देता है, नींद को गहरा करता है और स्मरण शक्ति को बढ़ाता है। यह प्रोस्टेट के बढ़ने से रोकता है। शरीर के हार्मोनल संतुलन को ठीक करता है।

3) एल्डरबेरी

उत्पत्ति - एल्डरबेरी उत्तरी अमेरिका और यूरोप के विभिन्न देशों में पाई जाती है।

लाभ - यह विभिन्न प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। यह शरीर की अवांछित चर्बी को कम करके वजन कम करने में मदद करता है। मौसम के बदलाव के दौरान बुखार, सर्दी, खांसी के लिए उपयोगी है, साथ ही सभी प्रकार की एलर्जी से भी बचाता है। पेचिश में उपयोगी है।

४) साइबेरियन जिनसेंग

उत्पत्ति - साइबेरियन जिनसेंग का मुख्य स्रोत रूस है।

लाभ - यह वायरल संक्रमण से बचाता है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। भिषण इरेक्टाइल डिस्फंक्शन और मधुमेह के लिए फायदेमंद है। प्लाज्मा लिपिड को बढ़ाता है और टेस्टोस्टेरोन, फॉलिकल स्टिम्युलेटिंग हार्मोन (क्व्क्त) और ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (ख्क्त) के स्राव को बढ़ावा देता है।

५) रसभरी

उत्पत्ति - उत्तरी यूरोपीय देशों, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और पूर्वी एशिया के कुछ देशों में पाया जाता है।

लाभ - रसभरी में पोटैशियम भरपूर मात्रा में होता है जो दिल को स्वस्थ रखता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है। इसमें ओमेगा-३ फैटी एसिड होने के कारण यह स्ट्रोक और दिल की बीमारियों से बचाता है, इसमें मैंगनीज, फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, इसलिए यह हड्डियों की मजबूती बढ़ाता है, त्वचा को स्वस्थ रखता है, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है। यह सूर्य की पराबैंगनी किरणों से बचाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है, जो कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाता है। कैंसर को रोकने में भी इसकी खास भूमिका है। यह अल्जाइमर रोग, गठिया, गाउट आदि के लिए बहुत फायदेमंद है।

६) ब्लैक करंट

उत्पत्ति - ब्लडहैक करंट मुख्य रूप से उत्तरी और मध्य यूरोपीय देशों में पाया जाता है। ब्लैक करंट एशियाई महाद्वीप के उत्तरी भाग के कुछ देशों में भी पाया जाता है।

लाभ - इसमें गामा लिनोलेनिक एसिड (क्ख्क्) और एंथोसायनिन भरपूर मात्रा में होता है जो जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में दर्द, अकड़न और हड्डियों को होने वाले नुकसान से बचाता है। इसमें विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होने के कारण यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। यह पाचन तंत्र, लीवर और किडनी के लिए बहुत फायदेमंद है।

७) खट्टी चेरी

उत्पत्ति - यूरोप के विभिन्न देशों और एशियाई महाद्वीप के दक्षिण में पश्चिम में पाया जाता है।

लाभ - यह रक्तचाप को नियंत्रित करता है, निर्जलीकरण से बचाता है, मांसपेशियों के स्वास्थ्य को बनाए रखता है, तंत्रिका गतिविधि को बनाए रखता है, पाचन में सहायता करता है, शरीर में पीएच संतुलन को नियंत्रित करता है, गठिया के दर्द को कम करने में मदद करता है, यूरिक एसिड को कम करने में मदद करता है, नींद में मदद करता है। यह कैंसर के विकास को रोकता है।

८) गैनोडर्मा ल्यूसिडम

उत्पत्ति - गैनोडर्मा ल्यूसिडम यूरोप, अमेरिका और चीन में पाया जाता है।

लाभ - यह अग्नाशयशोथ और हेपेटाइटिस के लिए बहुत फायदेमंद है। यह लीवर, किडनी और फेफड़ों को स्वस्थ रखता है। यह ह्रदय को स्वस्थ रखता है और रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है। यह कैंसर कोशिका आसंजन और कोशिका प्रवास को रोकता है। यह हानिकारक विकिरण से बचाता है जो आज के युग में बहुत आवश्यक है। गैनोडर्मा ल्यूसिडम को शरीर का प्राकृतिक (कैनर) कहा जाता है।

९) सिगरू

उत्पत्ति - सिगरू भारत के विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ्रीका में भी पाया जाता है।

लाभ - आयुर्वेद शास्त्रों में वैदिक काल में सिगरू के लाभों का उल्लेख है। यह एनीमिया को दूर करता है, संचार प्रणाली को स्वस्थ रखता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है। यह पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या और गणवत्ता को बढ़ाता है। यह गठिया, जोड़ों के दर्द, गठिया, कब्ज से राहत देता है। यह कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होता है जो दांतों और हड्डियों को स्वस्थ रखता है। यह दृष्टि में सुधार करता है, श्वसन और पाचन में मदद करता है। यह एंटीबायोटिक, जीवाणुरोधी और विरोधी भड़काऊ के रूप में कार्य करता है। यह शरीर को आर्सेनिक के हानिकारक प्रभावों से बचाता है और शरीर को विषाक्त पदार्थों से छुटकारा पाने में मदद करता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

१०) आंवला

उत्पत्ति - आंवला भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, म्यांमार और चीन में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

लाभ - विटामिन 'सी' फिनोल आहार फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, जो उचित यकृत, ह्रदय, मस्तिष्क और फेफड़ों के कार्य को बनाए रखने में मदद करते हैं। यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है, सूजन से राहत देता है, रक्त लिपिड और लिपोप्रोटीन के स्तर को नियंत्रित करता है, कीटाणुओं को मारता है, यकृत के स्वास्थ्य को बनाए रखता है। यह एक बहुत अच्छा एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबायोटिक के रूप में काम करता है। यह हमें सर्दी, खांसी, गले के संक्रमण, बुखार और यहां तक कि तपेदिक से बचाता है और बालों के विकास में मदद करता है।